सांध्य दैनिक
4PM

अगर आप किसी की खुशियां लिखने वाली पेन्सिल नहीं हो सकते हैं तो एक अच्छा सा इरेजर बनिए जो उनका दुख मिटा सके।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 63 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 6 अप्रैल, 2024

सनराइजर्स के सामने फीके पड़े... 7 | तेजस्वी व चिराग से रौशन होगा... 3 | प्रशासन को भ्रष्ट बना रही बीजेपी... 2

आप व विपक्ष ने बीजेपी को ललकारा

हिम्मत है तो काम के आधार पर चुनाव लड़े भाजपा

ईडी-सीबीआई की आड़ में नहीं सामने आकर करें मुकाबला

एजेंसियों के पीछे छुपकर चुनाव लड़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए : आतिशी

» मंत्री बोलीं- सीएम केजरीवाल पर फर्जी मामले दर्ज

» नड्डा तक पहुंच रहा शराब घोटाला, कब जाएगा समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी , कांग्रेस व इंडिया गठबंधन ने चुनाव खत्म होने तक बीजेपी व मोदी को घेरने की पूरी रणनीति तैयार कर ली है। केजरीवाल की गिरफ्तारी और इलेक्टोरल बॉड जैसे मुद्दे को विपक्ष ने पूरे जोर-शोर से उठाने का मन बना लिया है। इसी क्रम में आप नेता आतिशी ने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर आप से राजनीतिक तौर पर मुकाबला करना है तो एजेंसियों के पीछे छुपकर चुनाव लड़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर हिम्मत है तो आगे आएं और अपने काम के आधार पर चुनाव लड़ें।

उन्होंने कहा कि अगर सत्तारूढ़ दल में साहस है तो उसे अपने काम के आधार पर आप के खिलाफ लड़ना चाहिए। दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि भाजपा ईडी, सीबीआई, आईटी और भारत के चुनाव आयोग जैसी केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से आप और उसके नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सभी प्रकार के झूठे मामले दर्ज करती है। गोवा का मामला भी कुछ ऐसा ही था, जब बीजेपी की शिकायत पर चुनाव आयोग ने अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजा था। लेकिन, गोवा कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया।

मनी ट्रेल शराब व्यापारी शरत रेड्डी से भाजपा के खाते में जा रही

उन्होंने कहा कि 21 मार्च 2024 को पहली बार शराब घोटाले में पैसों के लेन-देन के सबूत सामने आए। जब सिर्फ मनी ट्रेल की संभावनाओं पर छापेमारी और यहां तक कि गिरफ्तारियां भी हुई हैं, तो सबूत होने पर पिछले 16 दिनों में ईडी ने कितनी गिरफ्तारियां, समन और छापेमारी की है। ईडी ने कुछ नहीं किया क्योंकि यह मनी ट्रेल शराब व्यापारी शरत रेड्डी से भाजपा के खाते में जा रही है। आतिशी ने पूछा कि एजेंसी भाजपा की जांच कब करेगी क्योंकि दक्षिण लॉबी से पार्टी तक 55 करोड़ रुपये के धन का लेन-देन स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा, मैं ईडी से पूछता हूं कि वे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को कब समन जारी करेंगे। ईडी उन पर कब छापा मारेगी और उन्हें कब गिरफ्तार किया जाएगा?

ईडी से आप के पांच सवाल

1. 16 दिन से पुख्ता सबूत दुनिया के सामने है कि साउथ लॉबी से 55 करोड़ रुपये भाजपा को गया, 16 दिन में ईडी ने इसपर क्या जांच की? पिछले 16 दिन में बीजेपी को कितने समन, कितने रेड हुए, कितने गिरफ्तार हुए?
2. ईडी ने अरविंद केजरीवाल को आदमी पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक होने के नाते गिरफ्तार किया।
3. भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा को इस मामले में कब गिरफ्तार करेंगे?
4. क्या ईडी ये जांच करेगी कि साउथ लॉबी के मगूंटा निवासलू रेड्डी और राघव मगूंटा का क्या कोई पैसा या मनी ट्रेल भाजपा के सहयोगी टीडीपी को गया है, जहां से आज मगूंटा चुनाव लड़ रहे हैं?
5. भाजपा के सहयोगी पार्टनर टीडीपी से शराब कारोबारी खुद चुनाव लड़ रहे हैं तो क्या चुनाव में हो रहे खर्च को ईडी जांच कर रही है?

कोर्ट से नहीं मिली सिसोदिया को राहत 18 अप्रैल तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज़ ऐवन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को 18 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दिया है। राउज़ ऐवन्यू कोर्ट में अब मामले में अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने ईडी से बताने को भी कहा है कि अब तक एक-एक आरोपी द्वारा दस्तावेज़ों की जांच के लिए कितना समया लगा है। बता दें कि मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को अपनी विधानसभा (पटपड़गंज) के लोगों के लिए एक चिट्ठी लिखी। चिट्ठी में मनीष सिसोदिया ने लिखा है कि जल्दी ही बाहर मिलेंगे, जैसे आजादी के समय सबने लड़ाई लड़ी थी वैसे ही हम अच्छी शिक्षा और स्कूल के लिए लड़ रहे हैं। अंग्रेजों की तानाशाही के बाद भी आजादी का सपना सच हुआ. वैसे ही एक दिन हर बच्चे को सही और अच्छी शिक्षा मिलेगी।

एनडीए हारेगी और यूपीए सरकार बनाएगी : पायलट

सचिन पायलट ने सभा में कहा कि यह चुनाव एक व्यक्ति नहीं लड़ रहा, एक दल नहीं लड़ रहा। यह चुनाव दो विचारधाराओं का है। यह इस बात का चुनाव है कि 10 साल से जनता के साथ वादा खिलाफी हुई है। हमारे घोषणा पत्र में हर वर्ग को साधने का काम किया है। यह चुनाव देश के लिए निर्णायक चुनाव है। विधानसभा चुनावों में थोड़ी कमी रह गई, हम सरकार नहीं बना पाए। लेकिन, 2024 में फिर पलटफेर होगा। एनडीए हारेगी और यूपीए सरकार बनाएगी।

कांग्रेस ही दे सकती है राइट टू सोशल सिक्योरिटी : गहलोत

राजस्थान में कांग्रेस ने एक रैली में बीजेपी पर जमकर हमला बोला। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि सोनिया गांधी राजस्थान से राज्य सभा सांसद बनने के बाद पहली बार यहां आई हैं। 25 साल पहले सोनिया गांधी ने मुझे सीएम बनने का मौका दिया। उस वक्त मैंने यह परंपरा डाली थी कि पहली कैबिनेट के अंदर मैंने मैनिफेस्टो को रखा। एक नई शुरुआत हुई थी। यही परंपरा दूसरी और तीसरी बार भी रखी। तीसरी बार हमने 90 प्रतिशत वादे पूरे किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मेनिफेस्टो में तीन राष्ट्रीय योजनाएं रखी गई हैं। राहुल गांधी की यात्राओं में हजारो-लाखों लोगों से मिलना हुआ। उसके आधार पर मेनिफेस्टो तैयार करवाया गया है। राइट टू सोशल सिक्यूरिटी देश के हर परिवार को मिले इतना बड़ा काम आपने किया है।

प्रशासन को भ्रष्ट बना रही बीजेपी : अखिलेश

» कहा- किसी का पर्चा निरस्त करना लोकतांत्रिक अपराध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पन्ना/भोपाल। मध्य प्रदेश के खजुराहो से इंडिया गठबंधन की तरफ से सपा की उम्मीदवार मीरा यादव का नामांकन पत्र खारिज हो गया है। अपने प्रत्यायीका नामांकन रद होने पर सपा प्रमुख व पूर्व यूपी सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सरेआम लोकतंत्र की हत्या कर रही है। इंडिया गठबंधन को करारा झटका लगा है। कांग्रेस ने प्रदेश की 29 में से एक खजुराहो सीट समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ी थी। यहां से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपनारायण यादव का नामांकन निरस्त हो गया है।

कलेक्टर ने इसकी दो वजह बताई है। नामांकन फॉर्म पर प्रत्याशी के दो जगह हस्ताक्षर होते हैं, जिसमें से एक जगह मीरा यादव ने हस्ताक्षर नहीं किए थे। मतदाता पहचान पत्र की सत्यापित प्रति की जगह पुरानी प्रति दे दी गई थी। मीरा यादव के पति दीपनारायण यादव ने कहा है कि हम इस फैसले को हाईकोर्ट में और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। चुनाव आयोग के मुख्य आयुक्त के पास भी जाएंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना क्रम को लोकतंत्र की सरेआम हत्या बताया है।

मुख्तार अंसारी को श्रद्धांजलि देने गाजीपुर जाएंगे सपा मुखिया

मध्य प्रदेश की खजुराहो सीट से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूदा सांसद और उम्मीदवार हैं। उनकी राह अब आसान हो गई है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि खजुराहो सीट से इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त करना सरेआम लोकतंत्र की हत्या है। कहा जा रहा है कि हस्ताक्षर नहीं थे तो फिर देखनेवाले अधिकारी ने फार्म लिया ही क्यों। ये सब बहाने हैं और हार चुकी भाजपा की हताशा। जो न्यायालय के कैमरे के सामने छल कर सकते हैं वो फार्म मिलने के बाद पीठ पीछे क्या-क्या साजिश रचते होंगे। भाजपा बात में ही नहीं काम में भी झूठी है समस्त प्रशासनिक तंत्र को भ्रष्ट बनाने की दोषी भी है। इस घटना की भी न्यायिक जांच हो, किसी का पर्चा निरस्त करना लोकतांत्रिक अपराध है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सात अप्रैल को गाजीपुर जाएंगे। वे दिवंगत माफिया मुख्तार अंसारी को श्रद्धांजलि देने मोहम्मदाबाद स्थित उनके घर जाएंगे। यहां बता दें कि मुख्तार अंसारी के भाई व बसपा के सांसद अफजाल अंसारी को सपा ने गाजीपुर से अपना प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले सपा नेता धर्मेंद्र यादव भी मुख्तार अंसारी के परिजनों को सांत्वना देने मोहम्मदाबाद गए थे। अब अखिलेश यादव 7 अप्रैल को मुख्तार अंसारी के गाजीपुर स्थित घर जाकर उसके परिजनों को सांत्वना देंगे। मुख्तार की मौत पर अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सिर्फ इस तरह की घटनाओं की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में जांच की मांग की थी।

मुझे सुधार का मौका नहीं दिया : मीरा

मीरा के पति दीपनारायण यादव ने कहा कि गुरुवार को तो अधिकारियों ने वेरिफाई किया था। नियमावली में साफ नियम है कि कुछ कमी है तो निर्वाचन अधिकारी उसमें सुधार के लिए कहता है। गुरुवार को अधिकारियों ने नामांकन को ओके किया था। अब उसमें दो कमियां बताई जा रही हैं। दो जगह प्रत्याशी के दस्तखत होते हैं। एक जगह तो है और दूसरी जगह नहीं है। मतदाता परिचय पत्र की पुरानी सर्टिफाइड कॉपी दी है। उसकी वजह यह है कि हमने दो अप्रैल को आवेदन दिया था। तीन अप्रैल को कॉपी नहीं मिल पाई। हमारे पास जो सर्टिफाइड कॉपी उपलब्ध थी, वह हमने लगा दी। अगर आपको खराब दिख रही थी, पुरानी दिख रही थी तो हमें कहा जाता। हम वह भी उपलब्ध करा देते। हम तीन बजे के पहले सामने थे। कलेक्टर ने मुझसे कहा कि नामांकन निरस्त कर दिया है। हमने कहा कि अभी समय है। तीन बजने में वक्त है। यदि कोई कमी है तो हम उसे ठीक कर देंगे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को लग रहा था कि कमी है तो वह हमें बता सकते थे। हम उसे ठीक कर देते। हम इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पास जाएंगे।

उपराज्यपाल कर रहे षड़यंत्र : सौरभ

» दिल्ली सरकार का एलजी पर आरोप- सरकारी अस्पतालों में बताई जा रही दवाओं की कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दिल्ली के अस्पतालों में अनियमितता को लेकर दिल्ली सरकार ने पलटवार किया है। दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल षड्यंत्र के तहत दिल्ली के अस्पतालों में दवाओं समेत अन्य जरूरी सामग्री की कमी बता रहे हैं। सरकार ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा की अनदेखी को लेकर अफसरों पर उपराज्यपाल कार्रवाई नहीं करना चाहते हैं, बल्कि वह अस्पतालों में दवाओं की कमी के लिए उनका समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वह गरीबों की दवाई और इलाज पर राजनीति करना चाहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ जांच शुरू करने के बारे में एक भी शब्द नहीं बोल रहे हैं। भारद्वाज के मुताबिक, उपराज्यपाल के संज्ञान में लाया कि केवल वह या गृह मंत्रालय ही मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ जांच शुरू कर सकते हैं। एनसीसीएसए का हिस्सा होने के कारण मुख्य सचिव खुद से जुड़े मामलों में स्वयं फैसला नहीं कर सकते। मंत्री ने उपराज्यपाल से अपील की कि मंत्री के साथ वो दिल्ली सरकार के कुछ अस्पतालों का निरीक्षण करें।

न्याय पत्र बदलेगा देश की तस्वीर : राय

» बोले- पांच न्याय, 25 गारंटियों से जुड़ेगी जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि पार्टी अपने 138 साल के इतिहास में हमेशा से ही जनता की आवाज रही है। आने वाले लोकसभा चुनाव देश की दिशा व दशा को बदलने वाले होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भाजपा के कुशासन ने देश की सतत विकासशील गति को ना सिर्फ रोका है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप से पीछे भी धकेलने का काम किया है। कांग्रेस फिर से देश को विकास के रास्ते पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जनता आम चुनाव में कांग्रेस की न्याय गारंटियों पर विश्वास कर लोकतंत्र में आस्था रखते हुए इस बार कांग्रेस पार्टी को वोट देने का मन बना चुकी है।

चाहे आधी आबादी को सरकारी नौकरियों में हिस्सा देने की बात हो या किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाना, युवाओं के लिए पहली नौकरी की व्यवस्था हो या राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की तर्ज पर मुफ्त चिकित्सा, हर वर्ग के साथ कांग्रेस पार्टी न्याय पत्र के जरिये न्याय करने के संकल्प के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में उतरी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम इस चुनाव में न्याय पत्र के पांच न्याय व 25 गारंटियों को आधार बनाकर जनता के बीच में जायेंगे। न्याय पत्र लगातार जनता के संपर्क में रहकर और उनकी बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

राहुल-अखिलेश की होगी संयुक्त रैली प्रियंका करेंगी रोड शो

पश्चिम से शुरू होगी इंडिया गठबंधन की रैली

प्रदेश में इंडिया गठबंधन रैलीव जनसभाओं की तैयारियों में तेजी से लगा हुआ है। अगले सप्ताह इसकी शुरुआत अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त सभा से की जाएगी। इसके लिए 12 से 16 अप्रैल के बीच की तिथि प्रस्तावित की गयी है। पहले व दूसरे चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 16 सीटों पर मतदान होना है। इसमें कांग्रेस सहारनपुर, अमरोहा, बुलंदशहर, गाजियाबाद सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस की ओर से पार्टी के प्रमुख नेताओं व इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली का प्रस्ताव राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा गया है। इसके तहत अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली कराने के साथ-साथ पहले दो चरण के लिए कई अन्य प्रमुख नेताओं की सभा का भी कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। कांग्रेस वार रूम के संजय दीक्षित ने बताया कि इसी के साथ सहारनपुर में प्रियंका गांधी के रोड शो व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट की सभाओं का कार्यक्रम मांगा गया है।

संविधान बचाने के लिए हों एकजुट : फारूक

» बोले- बीजेपी सब खत्म कर देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इंडिया गठबंधन भारत के संविधान को बचाने के लिए मजबूती से खड़ा है। भाजपा एक तरफ भारत के संविधान को खत्म करना चाहते हैं। दूसरी तरफ वे लोग हैं जिन्होंने अपना जीवन दांव पर लगा दिया है। संविधान बचाओ, यह भारत को बचाने की हमारी सामूहिक लड़ाई है। उन्होंने कहा,हमें देश को अपनी सामूहिक शक्ति दिखानी होगी।

भाजपा एक धर्म को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। वे कैसे तय कर सकते हैं कि आप क्या खाएंगे, कैसे कपड़े पहनेंगे? हम डरेंगे नहीं। मैं यहां आपसे निर्णय लेने और ऐसी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का अनुरोध करने आया हूं। कांग्रेस उम्मीदवार हमारा एकजुट उम्मीदवार है। हमें उन ताकतों को हराने के लिए उन्हें वोट देना होगा। अब्दुल्ला ने सीट-बंटवारे की व्यवस्था को लेकर अपनी पार्टी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच मतभेदों को अलग करते हुए अनंतनाग-राजोरी सीट से जीत का दावा किया।

तेजस्वी व चिराग से रौशन होगा बिहार!

दोनों नेता सियासत में और पांव जमाने को तैयार

» परंपरागत राजनीति से बाहर निकलने की अकुलाहट

» लोस चुनाव में दमदार बनके निकलने की होड़

» बिहार की राजनीति का 'चिराग' पर भी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी व बिहार ये दोनों ऐसे राज्य हैं जो सभी सियासी दलों के लिए जरूरी हैं। इन दोनों में लोक सभा की 140 सीटें आती हैं। जाहिर सी बात है कि हर नेता इन राज्यों की ज्यादा से ज्यादा सीटों पर कब्जा करके अपनी सरकार बनाने के सपने देखता रहता है। पूर्वी भारत का सबसे अहम स्टेट है बिहार है। यहां पर लोकसभा की 40 सीटें हैं। इन्हीं 40 सीटों के लिए वहां पर टकरार भी चल रही है। वहां पर मुकाबला राजग गठबंधन जिसकी सबसे बड़ी सहयोगी भाजपा है व इंडिया गठबंधन के बीच होगा जिसका सबसे बड़ा सहयोगी राजद है। राजग से चिराग पासवान अपनी ताकत बढ़ानें को आतुर हैं तो राजद व कांग्रेस के गठबंधन से लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव बिहार में अपना तेज और बढ़ाने की फिराक में है।

हलांकि चुनावों के बाद ही पता चलेगा चिराग ने कितनों को रौशन किया और तेजस्वी ने कितने घरों में लालटेन को चमकाया। राजनीति का मौसम विज्ञान समझने में चिराग ने मोदी की आंधी को भलीभांति भांप लिया है और वह किसी संशय में नहीं है। अपने मतदाता समूह में उनकी मजबूत स्वीकार्यता भी है। हाल के समय में भारतीय राजनीति में नई पीढ़ी के कई नेता पुत्रों ने अभी तक कोई बहुत बड़ी उम्मीद नहीं जगाई है। चाहे राहुल गांधी हों या तेजस्वी यादव, फिलहाल इनके सियासी सितारे डूब-उतर रहे हैं। साथ ही अपने प्रभाव में निरंतरता बरकरार रखने में कहीं न कहीं चूक भी रहे हैं। हालांकि इन नामों की तुलना में चिराग के पास कोई बहुत बड़ी राजनीतिक विरासत तो नहीं है, लेकिन वे अपने होने का अहसास, कुछ अनूठा करने का एवं जनता के दिलों को जीतने का हूनर साबित किया है।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हनुमान बताने वाले युवा नेता चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में लाइमलाइट में हैं। राजनीतिक कौशल एवं प्रभावी रणनीति के तहत तेजी से अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूती देते हुए बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक बन रहा है। चिराग पासवान सक्षम जनप्रतिनिधि के साथ-साथ मौलिक सोच एवं संवेदनाओं के प्रतीक हैं। उन्हें सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर प्रासंगिक एवं अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनाने एवं अपनी उपस्थिति का अहसास कराने का छोटी उम्र में बड़ा अनुभव है जो भारतीय राजनीति के लिये शुभता का सूचक है। लोकतंत्र का सच्चा जन-प्रतिनिधि वही है जो अपनी जाति, वर्ग और समाज को मजबूत करने के साथ देश को मजबूत करें। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट ' की लड़ाई लड़ने वाले चिराग 14 करोड़ बिहारियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रतिबद्ध है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। गतदिनों भाजपा मुख्यालय से विनोद तावड़े ने बिहार के एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का अपना फॉर्मूला सार्वजनिक किया, जिसमें भाजपा को 17 सीटें, जदयू को 16 सीटें तो चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) के खाते में 5 सीटें गईं। वहीं उपेंद्र कुशवाह और जीतनराम मांझी की पार्टी को एक-एक सीट दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास की एक बड़ी तस्वीर सामने आई, जिसमें नीतीश चिराग के कंधे पर हाथ रखे आशीर्वाद की मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह का एक चित्र पहले चर्चित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चिराग की पीठ थपथपाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

राजग की नजर 40 सीटों पर

भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी को लेकर अक्सर बड़ी-बड़ी बातें हर किसी मंच से होती रहती हैं लेकिन कोई दल उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका नहीं देता क्योंकि उनकी नजर में युवा वोट भर हैं। राजनीतिक दल उनका इस्तेमाल भीड़ और ट्रौलिंग के लिए करते रहते हैं। हालांकि इस मिथक को चिराग ने तोड़ा, 2014 के लोकसभा चुनाव में जमुई सीट पर 80 हजार से ज्यादा मतों से विजयी हुए थे तो एक ही संसदीय दौर में उन्होंने जनता का विश्वास इस कद्र जीता कि 2019 के चुनाव में चिराग ने 5 लाख से ज्यादा वोट हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। करिश्माई व्यक्तित्व वाले चिराग ने आगामी चुनाव में एनडीए को बिहार में 40 में से 40 सीटें मिलने का दावा किया है। इसमें कोई संदेह भी नहीं है क्योंकि 2019 में जब एनडीए में 3 पार्टियां थी, तब 40 में से 39 सीटें जीती थीं और इस बार 5 पार्टियां हैं और लोगों का उत्साह बताता है कि बिहार में 40 सीटों के साथ एनडीए देश में 400 सीटों के लक्ष्य को आसानी से पार कर लेगा।

चाचा को बीजेपी ने हाईजैक कर लिया

अपना हमला जारी रखते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि आज के दौर में अच्छे-अच्छे लोग पलट जाते हैं। नीतीश कुमार पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे चाचा पलटे नहीं, बल्कि बीजेपी ने हाईजैक कर लिया। उन्होंने कहा कि सभी समाज के लोगों को हमारी पार्टी साथ लेकर चलती है। यह माय-बाप की पार्टी है। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने कभी भी सांप्रदायिक शक्तियों के आगे घुटने नहीं टेकें हैं। वह लगातार भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहे हैं। तेजस्वी ने कहा कि यहां से तीन बार एनडीए के प्रत्याशी जीत रहे हैं। लेकिन इन लोगों ने यहां के लिए क्या किया है? पूर्णिया को सिर्फ पलायन, बेरोजगारी और गरीबी मिला है। बीमा भारती की भी तेजस्वी यादव ने जबरदस्त तरीके से तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह अच्छी उम्मीदवार है। बहादुर महिला है अति पिछड़ा समाज से आती हैं। अन्याय के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़नी रहीं है। विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया है।

मोदी की गारंटी सिर्फ जुमेलबाजी : तेजस्वी

अपना हमला जारी रखते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि आज के दौर में अच्छे-अच्छे लोग पलट जाते हैं। नीतीश कुमार पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे चाचा पलटे नहीं, बल्कि बीजेपी ने हाईजैक कर लिया। उन्होंने कहा कि सभी समाज के लोगों को हमारी पार्टी साथ लेकर चलती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए, राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनकी गारंटी चीनी सामान की तरह है और केवल चुनावों के लिए है। साथ ही उन्होंने लोगों से लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रचार के झांसे में नहीं आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अपने चुनाव प्रचार में हमेशा वंशवाद की राजनीति की बात करते हैं। लेकिन, बिहार में अपने पहले ही अभियान में उन्होंने उस उम्मीदवार के लिए रैली कर रहे हैं, जो खुद एक वंशवादी राजनेता है। इससे पता चलता है कि वह क्या कहते हैं और कैसे काम करते हैं, के बीच अंतर है। तेजस्वी ने अपनी पार्टी की प्रत्याशी बीमा भारती के नामांकन में पहुंचे थे। उन्होंने उनके लिए वोट भी मांगे।

लोजपा अब पूरी तरह युवाओं के हाथ में

लोजपा अब पूरी तरह युवाओं के हाथ में है। चिराग युवा हैं, सक्षम है, प्रखर वक्ता है, कुशल संगठनकार एवं प्रबन्धक हैं और विगत में उन्होंने अनेक अवसरों पर अपनी इन क्षमताओं के साथ-साथ निर्णायकता साबित की है। कई मौकों पर यह बात सामने आई है कि बिहार के साथ-साथ केंद्रीय राजनीति के दांव-पेच और समीकरणों को भी वह अच्छी तरह जानने-समझने लगे हैं। हालांकि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दलित राजनीति के अगले ध्वजवाहक बनने और अपने लक्षित मतदाता समूह में पिता जैसी स्वीकार्यता पाने की होगी। चिराग नई लकीर खींचने में पारंगत है, वे अपने पिता की प्रतिछाया ही न बनकर कुछ नये प्रतिमान स्थापित करेंगे, राजनीति की नई परिभाषाएं गढ़ंगे। क्योंकि वे विपरीत स्थितियों में सामंजस्य स्थापित करके भरोसा और विश्वास का वातावरण निर्मित करने में दक्ष है। युवापीढ़ी और उनके सपनों का मूर्चिछत होना और उनमें निराशा का वातावरण निर्मित होना- एक सबल एवं सशक्त राष्ट्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। चिराग ने यह अनुभव किया, यह उनकी सकारात्मक राजनीति एवं मानवतावादी सोच का ही परिणाम है। चिराग इस मामले में अन्य क्षत्रप या नेता पुत्रों से थोड़ा अलग इसलिए भी हैं कि उनका नजरिया और अंदाज भविष्योन्मुखी और विकासवादी प्रतीत होता है। यही कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिराग में राजनीतिक संभावनाओं को गहराई से समझा है। इन सबके बावजूद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या चिराग अपने पिता की दलित राजनीति की विरासत को कोई नया आयाम दे पाएंगे। या फिर वह इस विरासत से इतर मुख्यधारा की राजनीति में अपनी काबिलियत दिखाएंगे। चिराग राजनीति की बारीकियों को समझने में माहिर है।

कांग्रेस ने किया साफ, इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार नहीं हैं पप्पू यादव

अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करने के कुछ दिनों बाद, राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने गुरुवार को बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बयान देते हुए कहा है कि पूर्णिया सीट से नामांकन दाखिल करने वाले पप्पू यादव कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार नहीं हैं। हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए पप्पू यादव बिहार की पूर्णिया सीट से चुनाव लड़ने को लेकर मुखर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि यह जगह उनके दिल के करीब है। हालाँकि, पप्पू यादव द्वारा अपना नामांकन दाखिल करने के बाद, कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख ने कहा कि बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से नौ कांग्रेस पार्टी को, 26 राजद को और शेष पांच अन्य गठबंधन सहयोगियों के लिए आवंटित की गई हैं। इसके अलावा, यदि कोई नामांकन दाखिल कर रहा है या दाखिल कर चुका है तो वह कांग्रेस या आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक का उम्मीदवार नही हैं। अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करने के कुछ दिनों बाद, राजेश रंजन उर्फ ??पप्पू यादव ने गुरुवार को बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल

किया। कांग्रेस में विलय के बाद, पप्पू यादव पूर्णिया से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की उम्मीद कर रहे थे। हालाँकि, बिहार में महागठबंधन सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था के तहत सीट राजद के पास जाने के बाद, पप्पू यादव ने गुरुवार को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। यह कदम पूर्णिया से राजद उम्मीदवार बीमा भारती के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वह एनडीए उम्मीदवार के साथ आमने-सामने की लड़ाई की उम्मीद कर रही थीं। लेकिन अब पप्पू यादव के भी मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है, जिससे एनडीए उम्मीदवार को बढ़त मिल सकती है। गुरुवार को पर्चा दाखिल करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए पप्पू यादव ने कहा, मुझे नहीं पता कि लालू प्रसाद यादव को मुझसे क्या दिक्कत है. जब मैं उनसे मिला, तो मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि मैं उनके बेटे (तेजस्वी यादव) का समर्थन करूंगा। फिर भी, उन्होंने कुछ कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर मुझे धोखा दिया। उनके आग्रह पर मैंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, फिर भी उन्होंने मेरा राजनीतिक करियर खत्म करने के लिए मेरे खिलाफ साजिश रची।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शीर्ष अदालत के फैसले से नौकरशाहों को लाभ!

भारत के शीर्ष अदालत ने सरकारी कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद चुनाव लड़ने पर कूलिंग ऑफ पीरियड देने से इंकार कर दिया है। कोर्ट के इस आदेश को देखा जाए तो इस पर बहस हो सकती है कि क्या यह फैसला ठीक है। कुल मिलाकर कोर्ट का निर्णय सेवानिवृत्त नौकरशाहों के हित में है। पर इस निर्णय का आम जन को लाभ होगा इस पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हालांकि अगर राजनीति में नौकरशाह आएंगे तो राजनीति की दिशा जरूर अच्छी होने की संभावना है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया जिसमें याचिकाकर्ता ने कहा था कि पब्लिक सर्वेंट के चुनाव लड़ने के लिए एक कूलिंग ऑफ पीरियड होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया था कि पब्लिक सर्वेंट जैसे ही अपनी नौकरी छोड़ता है उसके तुरंत बाद उसे चुनाव लड़ने से रोका जाए और पब्लिक सर्वेंट के लिए एक कूलिंग ऑफ पीरियड तय होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया जिसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की गुहार लगाई।

याचिकाकर्ता ने यह भी गुहार लगाई थी कि जो पब्लिक सर्वेंट या सरकारी नौकर रहा हुआ है वह अगर चुना जाता है तो उसे सिर्फ एक ही पेंशन मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया कि इस बारे में दो दशक पहले सिफारिश की गई थी लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया है। इस कारण तमाम ब्यूरोक्रेट, जज और अन्य पब्लिक सर्वेंट अपने रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने के बाद तुरंत चुनाव लड़ रहे हैं और उनके लिए कोई कूलिंग ऑफ पीरियड नहीं है। साथ ही याचिकाकर्ता ने कहा कि ऐसे पब्लिक सर्वेंट जिन्होंने अवैध तरीके से कुछ राजनीतिक पार्टियों फायदा पहुंचाते हों उन्हें टिकट ऑफर किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका वापस लेने की इजाजत देते हुए अर्जी खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने हालांकि याचिकाकर्ता को इस बात की इजाजत दे दी कि वह इस मामले में उपयुक्त अथॉरिटी को अप्रोच कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में पूर्व सांसद जीवी हर्षकुमार की ओर से अनुच्छेद-32 के तहत याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि पब्लिक सर्वेंट के लिए कूलिंग ऑफ पीरियड तय करे। इसके लिए चुनाव आयोग की 2012 की सिफारिश और सिविल सर्विस रिफॉर्म रिपोर्ट जुलाई 2004 कमिटी की सिफारिश को लागू करने की गुहार लगाई गई थी। इसके तहत गुहार लगाई गई थी कि पब्लिक सर्वेंट या सिविल सर्वेंट को रिटायरमेंट या इस्तीफे के तुरंत बाद चुनाव लड़ने या पार्टी का टिकट देने से रोका जाए और चुनाव लड़ने के लिए एक कूलिंग ऑफ पीरियड तय हो।

“ दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया जिसमें याचिकाकर्ता ने कहा था कि पब्लिक सर्वेंट के चुनाव लड़ने के लिए एक कूलिंग ऑफ पीरियड होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया था कि पब्लिक सर्वेंट जैसे ही अपनी नौकरी छोड़ता है उसके तुरंत बाद उसे चुनाव लड़ने से रोका जाए और पब्लिक सर्वेंट के लिए एक कूलिंग ऑफ पीरियड तय होना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आर्थिकी को गति भी देगा अंधाधुंध चुनावी खर्च

मधुरेन्द्र सिन्हा

लोकसभा चुनाव आ गये हैं और पूरे देश में हलचल है। राजनीतिक दल, उनके उम्मीदवार और सरकार सभी सक्रिय हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता प्रचार में निकल पड़े हैं और सभाएं होने लगी हैं। बड़े नेताओं के तूफानी दौरे अब शुरू होने वाले हैं। लेकिन जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है कि बड़े पैमाने पर पैसा बंटेगा और लगेगा। एक लोकसभा क्षेत्र में चुनाव में खर्च की एक सीमा तय है और लोकसभा चुनाव में इस बार यह 95 लाख रुपये है जो पिछली बार से कहीं ज्यादा है। लेकिन सच्चाई है कि खर्च कई गुना ज्यादा होगा। देश में कुल कितना खर्च होने की संभावना है, इस पर बहस जारी है लेकिन अनुमान है कि इस बार यह पिछले लोकसभा चुनाव से दुगना होगा। वर्ष 2024 में लोकसभा की 543 सीटों के चुनाव के लिए खड़े उम्मीदवार कितना खर्च करेंगे, यह उनके सामर्थ्य, उनकी पार्टियों और इलाके पर निर्भर करेगा।

कई चुनाव क्षेत्र बहुत बड़े होते हैं और काफी खर्चीले भी होते हैं। स्वतंत्र संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 75-80 चुनाव क्षेत्र ऐसे रहे हैं जहां 2019 के चुनाव में हर निर्वाचन क्षेत्र में खर्च औसतन 40 करोड़ रुपये हुआ जबकि खर्च की सीमा महज 70 लाख रुपये प्रति उम्मीदवार थी। संस्था का कहना है कि उस चुनाव में 60,000 करोड़ रुपये खर्च हुए जो अनुमान से कहीं ज्यादा है। इसके पहले यानी 2014 में आम चुनाव में 30,000 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि 1999 में कुल खर्च 10,000 करोड़ रुपये था जिसे उस समय भी बहुत अधिक माना गया था। अब 2024 का यह चुनाव कितना खर्चीला होगा, इसका भी अंदाजा लगाना उचित रहेगा। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस लोकसभा चुनाव में कुल 11.2 खरब रुपये यानी लगभग 14 अरब डॉलर खर्च होंगे। यह राशि पड़ोसी देश पाकिस्तान के कुल सालाना बजट के एक-तिहाई से भी ज्यादा है। और अगर इतना खर्च हुआ तो यह दुनिया का सबसे खर्चीला चुनाव होगा। इसमें सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार की भूमिका होगी।

जाहिर है, सत्तारूढ़ दल सबसे ज्यादा खर्च करेगा। कई निर्वाचन क्षेत्रों में रिकॉर्ड खर्च होगा। सरकारी एजेंसियों की रोक-टोक के बावजूद खर्च में कमी नहीं आएगी क्योंकि सवाल फिर वही

यानी अस्तित्व का है और कोई भी हारना नहीं चाहता है। हर उम्मीदवार चाहे वह दमदार न हो, बड़ा खर्च करने से बाज नहीं आ सकता है, क्योंकि एक जीत उसकी जिंदगी बदल सकती है। चुनाव में उम्मीदवार तरह-तरह के खर्चों के लिए पैसे लगाते हैं जिनमें कार्यकर्ताओं से लेकर व्यवस्था करने वाले ठेकेदारों को बड़ी राशि मिलेगी। लोकसभा चुनाव में हर उम्मीदवार को हजारों कार्यकर्ताओं की सेवा लेनी होती है। हर बूथ पर कार्यकर्ता रखने से लेकर प्रचार करने तक। वह जमाने गये जब पार्टी या उम्मीदवार के नाम पर कार्यकर्ता खुद ब खुद आ जाते थे और अपना योगदान देते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होता है, कार्यकर्ता की हैसियत और उसकी ताकत के हिसाब से उसे पैसे मिलते हैं जो वह उस पूरी चुनाव अवधि यानी दो या तीन महीने तक पाता रहता है। यह भी एक तरह का रोजगार है। ऐसे ही पैसे ट्रांसपोर्टरों, रसोइयों, खाने-पीने का सामान बेचने वालों, होटलों-रेस्तरां, प्रिंटिंग प्रेस वालों, संचार साधनों की व्यवस्था करने वालों को भी मिलते हैं। इसकी भी संख्या लाखों में होती है। झंडे-पर्चे की अगर पार्टी ने व्यवस्था कर दी तो ठीक है अन्यथा उम्मीदवार खुद ही उन पर खर्च करता है और यह राशि मोटी होती है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की मदद के लिए कई तरह से खर्च करते हैं। यह सारा खर्च लगातार बाजार में पहुंचता रहता है। ऐसे ही एक अवधि तक लगातार पैसे खर्च होते रहते हैं और फिर अर्थव्यवस्था में ही जाते हैं। ऐसा नहीं है कि चुनाव में सिर्फ उम्मीदवार, राजनीतिक दल या उनके समर्थक ही पैसा खर्च करते हैं। सरकारें भी बड़े पैमाने पर खर्च करती हैं। कर्मचारियों तथा पैरा मिलिट्री फोर्सेज के जवानों की तैनाती, उनके खाने-पीने से लेकर वाहनों की व्यवस्था पर सरकारें बड़े पैमाने खर्च करती हैं। इसके अलावा भी अन्य तरह के सामानों की खरीद की जाती है जिस पर भारी खर्च आता है। यह खर्च भी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन जाता है। खरीदारी और खपत बढ़ती जाती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था खपत पर आधारित है और इसका विकास खपत पर ही निर्भर करता है। आपको याद होगा कि श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में यह बात कही थी कि देश में घरेलू खपत बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर अच्छा असर पड़ा है। जीडीपी के विकास की दर बढ़ी है। पूंजी प्रवाह से ही हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ती है। इस बार इतना धन आ रहा है कि इसका असर निश्चित रूप से पड़ेगा।

खुशियों-उत्कंठा से महरूम करती शिक्षा पद्धति

अविजीत पाठक

पिछले कुछ वक्त से, जिस युवा विद्यार्थी से मेरा जुड़ाव गहरा है, उसमें बदलाव होते देख रहा हूं। एक समय था जब वह खिलंदड़ हुआ करता था। साइकिल चलाने से लेकर फुटबॉल के मैदान में या गुणवत्तापूर्ण साहित्य पढ़ने से लेकर अपने मनोभावों को लेखों और लघु कहानियों में पिरोने का आनंद उठाने तक- वह असीम सृजनात्मक ऊर्जा से लबरेज हुआ करता था। लेकिन इन दिनों लगता है वह निरंतर तनाव, भय में है और उखड़ा-उखड़ा रहता है। कुछ दिन पहले ही उसने 12वीं कक्षा की बोर्ड-परीक्षा दी है। उसे चिंता है कि क्या वह परीक्षा में कम से कम 97 फीसदी अंक ले पाएगा या नहीं। इसके अलावा प्रवेश परीक्षाओं की एक लंबी श्रृंखला को लेकर भी उसमें तनाव व्याप्त है। मसलन, जेईई, नीट, सीक्यूईटी इत्यादि, में अपनी कुव्वत सिद्ध करने के लिए इनमें बैठना ही पड़ेगा। इस चिंता ने उसकी हंसी, उसकी अलमस्ती, उसकी नींद और उसकी जीवन ऊर्जा छीन ली है।

हालांकि यह केवल किसी एक बच्चे की कहानी नहीं है। यदि आप अपने इर्द-गिर्द देखें। युवा विद्यार्थियों से बात करें। उनकी रोजमर्रा की व्यथा सुनें- स्कूल से लेकर कोचिंग सेंटर तक की- आपको वाकई महसूस होगा कि एक विषैली शिक्षा संस्कृति हमारे बच्चों को बर्बाद कर रही है, उन्हें उनकी खुशियों और उत्कंठा से महरूम कर रही है। एक अशांत एवं नाखुश पीढ़ी पैदा करती जा रही है। आखिर क्यों कहा जा रहा है कि शिक्षा के नाम पर यह पीढ़ी जहर प्राप्त कर रही है? इसके पीछे चार कारण हैं। प्रथम, परीक्षाओं को अत्यधिक महत्व देने से सीखने का आनंद जाता रहा। अर्थपूर्ण ढंग से जुड़े रहकर शिक्षा पाने वाली संस्कृति को दरकार होती है तनावमुक्त वातावरण की, ताकि कोई छात्र अपने निराले स्वभाव और कौशल के मुताबिक आत्म-अन्वेषण और आंतरिक उन्नति कर पाए। अंकों के आधार पर आकलन, सदा अच्छे नंबर लाना और किसी के ज्ञान का तोल भौतिकी, गणित या अंग्रेजी में पाए अंकों से करने का बेलगाम दबाव, वह भी हफ्ते दर हफ्ते, महीना दर महीना और साल दर साल परीक्षाओं के जरिए या फिर अत्यधिक जटिल होते जा रहे अभ्यास, परीक्षा प्रपत्रों को हल करने की श्रृंखला ने बच्चे की सीखने की नैसर्गिक लय को भंग कर डाला है। साथ ही हद दर्जे का तनाव, भय और मानसिक संत्रास बना डाला है।

दूसरी बात यह कि इसने सामाजिक संपर्क की आवश्यकता को भी बिगाड़ दिया है, संयुक्त एवं आपसी संवाद से सीखने की भावना खत्म होती जा रही है। इसकी बजाय, अति-प्रतिस्पर्धा का वायरस, दूसरे की सफलता से जलन, एकाकीपन और स्वार्थीपन युवा छात्रों के मानस में घर करता जा रहा है। शिक्षा की ऐसी संस्कृति की वजह से हमारे बच्चों के लिए सामाजिक मेल-मिलाप से सीखना लगातार मुश्किल बन रहा है जबकि किसी स्वस्थ और लोकतांत्रिक समाज के लिए खुद को बनाए रखने वास्ते जरूरी है।

चूंकि वर्तमान में सफलता गाथाओं के प्रति आसक्ति हावी है। गौर करें कि कैसे नीट या जेईई परीक्षाओं में टॉप करने वालों को अंधाधुंध प्रचार के जरिए रातों-रात पौराणिक कथाओं के विजेता नायकों सरीखा स्टारडम प्रदान कर दिया जाता है। इन 'चमकीले सितारों' के बीच यह हरकत जाने-अनजाने में विफलता की गाथाएं भी पैदा करती जाती है। जी हां, हर साल, हम हजारों-हजार युवाओं को यह मानने को मजबूर करते हैं कि वे किसी काम के नहीं क्योंकि वे अलां-फलां परीक्षा नहीं निकाल पाए, इसलिए वे डॉक्टर या इंजीनियर बनने लायक नहीं हैं, हम उन्हें विफलता का कलंक, कमजोर पड़े आत्म-सम्मान, जख्मी स्व: और आत्महत्या करने की सोच के साथ जीने को मजबूर कर रहे हैं। चौथी बात यह कि शिक्षा की यह संस्कृति इसलिए भी विषैली है क्योंकि यह एकल-आयामी है। जैसा कि इन दिनों यंत्रवत सोच बन गई है कि किन्हीं उच्च तकनीक-कॉर्पोरेट्स में ऊंचे वेतनमान वाली नौकरी पा लेना ही शिक्षित होने और उच्चता पाने का द्योतक है, जो कुछ हमें दिखाया जा रहा है, वह व्यवस्थित ढंग से अन्य पेशों के सम्मान को कमतर करना है। इसके अलावा, यह करना मानवेतर शिक्षा के मूल्यों को कमजोर करना है। मानो, यह खेल चलाने वाले नीति-निर्माता और अकादमिक प्रबंधक ऐसी पीढ़ी को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, जो केवल विशेषज्ञों की बनी हो, जैसे कि रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ।

लेकिन उन्हें न तो आत्मा को जगाने वाले महान काव्य, साहित्य और आध्यात्मिक लेखों से सरोकार है न ही व्यक्ति को अंधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले, ईर्ष्यागत प्रवृत्ति से हटाकर सहचर की ओर ले जाने वाली शिक्षा में दिलचस्पी है। वास्तव में आज हमारे सम्मुख तकनीक रूप से उन्नत किंतु नैतिकताविहीन पीढ़ी है। यह परम विद्रूपता है। पूरी तरह पक्का नहीं है कि क्या हमारे बच्चों को इस विषैली संस्कृति से बचा पाना संभव होगा कि नहीं। अध्यापक और अभिभावकों को अपनी आवाज उठानी होगी ताकि शिक्षा की नई पद्धति बन पाए। वे सब जिन्हें अभी भी शिक्षण के पेशे से प्यार है, उनके लिए जरूरी है कि वे उदारवादी शिक्षा या लोकतांत्रिक कक्षा के माहौल को जीवित रखें। जब तक कि हम अध्यापक इस बारे में खड़े नहीं होंगे, अपने ऊपर काम नहीं करेंगे, आत्म-विश्वास से परिपूर्ण भूमिका नहीं निभाते या अन्य शिक्षाविदों और जन-बुद्धिजीवियों को नहीं जगाते तब तक न तो नौकरशाही की मशीन की तीलियां हिलेंगी न ही बच्चों की दुनिया बदलेगी।

गणगौर पूजा

पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं सुहागन महिलाएं

गणगौर पूजा हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होती है। उस दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं, पूजा करती हैं। इस व्रत की विशेषता यह है कि महिलाएं इसे गुप्त रूप से करती हैं। वे अपने पति को व्रत और पूजा के बारे में नहीं बताती हैं। यह व्रत और पूजा पति को बिना बताए की जाती है। गणगौर का व्रत और पूजन अविवाहित युवतियां भी करती हैं ताकि उनको मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त हो सके। इस बार गणगौर के दिन 3 शुभ योग बन रहे हैं। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं कि गणगौर पूजा कब है? गणगौर पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

कब है पूजा

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 अप्रैल को शाम 05 बजकर 32 मिनट से प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 11 अप्रैल को दोपहर 03 बजकर 03 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर देखा जाए तो इस साल गणगौर पूजा 11 अप्रैल दिन गुरुवार को होगी।

महिलाएं छिपाकर क्यों करती हैं गणगौर व्रत और पूजा?

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए व्रत और पूजा की। लेकिन वो भोलेनाथ से इसके बारे में बताना नहीं चाहती थीं। शिव जी ने काफी प्रयास किया कि वे बता दें, लेकिन माता पार्वती ने उस बारे में कोई बात नहीं की। वे गुप्त रूप से वह व्रत करना चाहती थीं। इस वजह से हर साल महिलाएं गणगौर व्रत और पूजा अपने पति से छिपाकर करती हैं। यहां तक कि इस व्रत और पूजा में चढ़ाए गए प्रसाद को भी पति को खाने को नहीं देती हैं।

गणगौर पूजा

गणगौर का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती से है। गण का अर्थ? शिव और गौर का अर्थ गौरी है। इसलिए इस व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। शिव और गौरी की पूजा करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य एवं सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

बनेंगे 3 शुभ योग

11 अप्रैल को गणगौर पूजा के दिन रवि योग, प्रीति योग और आयुष्मान योग बना है। रवि योग प्रात:काल में 06:00 एएम से अगले दिन 12 अप्रैल को 01:38 एएम तक है। वहीं, प्रीति योग सुबह 07:19 एएम तक है और उसके बाद से आयुष्मान योग लगेगा। जो 12 अप्रैल को प्रात: 04:30 एएम तक रहेगा। फिर सौभाग्य योग बनेगा।

शुभ चौघड़िया मुहूर्त

चर-	सामान्य:	06:06 एएम से 07:41 एएम तक
लाभ-	उन्नति:	07:41 एएम से 09:15 एएम तक
अमृत-	सर्वोत्तम:	09:15 एएम से 10:49 एएम तक
शुभ-	उत्तम:	12:24 पीएम से 01:58 पीएम तक
चर-	सामान्य:	05:07 पीएम से 06:41 पीएम तक

हंसना मना है

पापा: बेटा: आज तेरी मम्मी इतनी चुप-चाप क्यों बैठी हैं? बच्चा: उन्होंने मुझसे लिपस्टिक मांगी थी गलती से मैंने फेवीस्टिक दे दी। पापा (आंख में आंसू के साथ): जुग-जुग जिओ मेरे लाल: ऐसा बेटा भगवान सभी को दे।

टीचर: बंटी, बताओ अगर तुम्हारा फ्रेंड और तुम्हारी गलफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? बंटी: डूब जाने दूंगा दोनों को....आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का: आई लव यू डियर। लड़की: तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का: अरे यार...तुमने तो पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए,भागो जाओ मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल!

पति: मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है, जल्दी से एंबुलेंस के लिए कॉल लगाओ पत्नी: हां, लगाती हूं अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ। पति: रहने दो, अब थोड़ा ठीक लग रहा है...

टीचर: उसने कपड़े धोए और उसे कपड़े धोने पड़े...इन दोनों वाक्यों में अंतर बताओ? गप्पू: सर, पहले वाक्य से व्यक्ति के अविवाहित होने का पता चलता है, जबकि दूसरे वाक्य से उसके विवाहित होने का पता चलता है।

कहानी | सियार और ढोल

एक बार एक जंगल के निकट दो राजाओं के बीच घोर युद्ध हुआ। एक जीता दूसरा हारा। सेनाएं अपने नगरों को लौट गईं। बस, सेना का एक ढोल पीछे रह गया। उस ढोल को बजा-बजाकर सेना के साथ गए भाट व चारण रात को वीरता की कहानियां सुनाते थे। युद्ध के बाद एक दिन आंधी आई। आंधी के जोर में वह ढोल लुढ़कता-पुढ़कता एक सूखे पेड़ के पास जाकर टिक गया। उस पेड़ की सूखी टहनियां ढोल से इस तरह से सट गई थीं कि तेज हवा चलते ही ढोल पर टकरा जाती थीं और ढमाढम-ढमाढम की गुंजायमान आवाज होती। एक सियार उस क्षेत्र में घूमता था। उसने ढोल की आवाज सुनी। वह बड़ा भयभीत हुआ। ऐसी अजीब आवाज बोलते पहले उसने किसी जानवर को नहीं सुना था। वह सोचने लगा कि यह कैसा जानवर है, जो ऐसी जोरदार बोली बोलता है ढमाढम। सियार छिपकर ढोल को देखता रहता, यह जानने के लिए कि यह जीव उड़ने वाला है या चार टांगों पर दौड़ने वाला। एक दिन सियार झाड़ी के पीछे छुपकर ढोल पर नजर रखे था। तभी पेड़ से नीचे उतरती हुई एक गिलहरी कूदकर ढोल पर उतरी। हलकी-सी ढम की आवाज भी हुई। गिलहरी ढोल पर बैठी दाना कुतरती रही। सियार बड़बड़ाया, ओह! तो यह कोई हिंसक जीव नहीं है। मुझे भी डरना नहीं चाहिए। सियार फूंक-फूंककर कदम रखता ढोल के निकट गया। उसे सूंघा। ढोल का उसे न कहीं सिर नजर आया और न पैर। तभी हवा के झोंके से टहनियां ढोल से टकराईं। ढम की आवाज हुई और सियार उछलकर पीछे जा गिरा। अब समझ आया, सियार उठने की कोशिश करता हुआ बोला, यह तो बाहर का खोल है। जीव इस खोल के अंदर है। आवाज बता रही है कि जो कोई जीव इस खोल के भीतर रहता है, वह मोटा-ताजा होना चाहिए। चर्बी से भरा शरीर। तभी ये ढम-ढम की जोरदार बोली बोलता है। अपनी मांद में घुसते ही सियार बोला, ओ सियारी! दावत खाने के लिए तैयार हो जा। एक मोटे-ताजे शिकार का पता लगाकर आया हूं। सियारी पूछने लगी, तुम उसे मारकर क्यों नहीं लाए? सियार ने उसे झिड़की दी, क्योंकि मैं तेरी तरह मूर्ख नहीं हूं। वह एक खोल के भीतर छिपा बैठा है। खोल ऐसा है कि उसमें दो तरफ सूखी चमड़ी के दरवाजे हैं। मैं एक तरफ से हाथ डाल उसे पकड़ने की कोशिश करता तो वह दूसरे दरवाजे से न भाग जाता? चांद निकलने पर दोनों ढोल की ओर गए। जब वे निकट पहुंच ही रहे थे कि फिर हवा से टहनियां ढोल पर टकराईं और ढम-ढम की आवाज निकली। सियार सियारी के कान में बोला, सुनी उसकी आवाज? जरा सोच जिसकी आवाज ऐसी गहरी है, वह खुद कितना मोटा ताजा होगा। दोनों ढोल को सीधा कर उसके दोनों ओर बैठे और लगे दांतों से ढोल के दोनों चमड़ी वाले भाग के किनारे फाड़ने। जैसे ही चमड़ियां कटने लगी, सियार बोला, होशियार रहना। एक साथ हाथ अंदर डाल शिकार को दबोचना है। दोनों ने हूं की आवाज के साथ हाथ ढोल के भीतर डाले और अंदर टटोलने लगे। अंदर कुछ नहीं था। एक-दूसरे के हाथ ही पकड़ में आए। दोनों चिल्लाए, हैं ! यहां तो कुछ नहीं है। और वे माथा पीटकर रह गए।

सीख: बड़ी-बड़ी शेखी मारने वाले लोग भी ढोल की तरह ही अंदर से खोखले होते हैं।

8अंतर खोजें

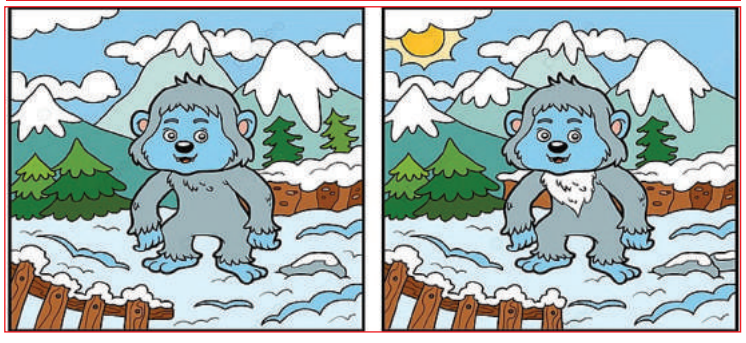

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो मार्केटिंग के कार्य को लेकर आप कुछ नया प्लान कर सकते हैं और प्लानिंग के साथ कार्य करने से आपका कार्य सही समय पर पूरा हो सकता है।

वृषभ

आपकी सेहत की बात करें तो सेहत की दृष्टि से दांतों की समस्या आपको परेशान कर सकते हैं। आप अपने दांतों की सफाई अच्छे से करें नही तो कैविटी की समस्या हो सकती है।

मिथुन

शिक्षा विभाग में कार्य करने वालों को शनिवार काम करने में बहुत अधिक आनंद महसूस होगा, जिससे आप अपने कार्य को और अधिक मन लगाकर करेंगे तथा बच्चों के साथ बहुत अधिक मौज मस्ती भी कर सकते हैं।

कर्क

कल आप अपने दफ्तर में घमंड में आकर कोई भी कार्य ना करे, बल्कि उसे पूरा करने की कोशिश करें, इस तरह केवल आपको ही नहीं संस्थान को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह

आपको अपने दफ्तर के कार्यों के लिए चुनौतियां का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों की जिम्मेदारी को भी आपको अपने कंधे पर उठाना पड़ सकता है, परंतु आप किसी कार्य को करने से पीछे ना हटे।

कन्या

आपको अपने कार्य क्षेत्र में प्रमोशन का रास्ता मिल सकता है, इसीलिए आप को अपने प्रमोशन से संबंधित जानकारी कल ही प्राप्त हो सकती है, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

तुला

नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो फाइनेंस डिपार्टमेंट में नौकरी करने वाले लोगों को कल अपने टारगेट को पूरा करने के लिए बहुत अधिक मेहनत करनी होगी, तभी उन्हें कामयाबी मिल सकती है।

वृश्चिक

अपने दफ्तर के कार्यों को पूरा करने में पूरी लगन और मेहनत दिखाएंगे, तभी आपके बॉस भी आपके गुड वर्क से बहुत अधिक खुश रहेंगे और आपके कार्य की प्रशंसा भी करेंगे।

धनु

शनिवार का दिन ठीक-ठाक रहेगा। नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां को लेकर सावधान रहना होगा।

मकर

आपको अपने कार्य क्षेत्र में अधूरे कार्यों को छोड़ने के लिए आपको वरिष्ठ अधिकारियों की डाट खानी पर सकती हैं, जिसके कारण आपका मन बहुत परेशान हो सकता है।

कुम्भ

आपको कामयाबी अवश्य मिलेगी। आपके सभी बिगड़े कार्य जल्दी ही पूरे हो सकते हैं। आपकी सेहत की बात करें तो मौसम के बदलाव के कारण आप मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

मीन

आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं रहेगी। दफ्तर में आपका मन कार्य करने में अच्छा लगा रहेगा। आप अपने काम को लगन के साथ करते हुए नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अब फिल्मों में एक ही तरह के ट्रेंड देखने को मिलते हैं: करन

करण जौहर अपनी रियल और प्रफोशनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। करण सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं और अपनी लाइफ से जुड़ी लगभग हर बात फैंस के साथ शेयर करते हैं। लेकिन आज करण के एक पोस्ट ने हर तरफ हलचल पैदा कर दी है। करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लंबा चौंड़ा पोस्ट किया है। उन्होंने आजकल चल रहे फिल्मी ट्रेंड के बारें में ताना मारते काफी तीखी बात लिखी है। करण ने लिखा, बड़ा स्केल चाहिए तो वो बनाओ! एक्शन चली! एक्शन बनाओ! लव स्टोरी चली, तो लव स्टोरी बनाओ! एक्शन हिट हुई तो वह बनाओ! मौसम हर हफ्ते बदलता है... दृढ़ विश्वास हर हफ्ते बदलता है। बॉक्स ऑफिस है भईया इंस्टाग्राम रील नहीं जो सिर्फ 30 सेकंड की ट्रेंडिंग में रह जाओगे वहीं के वहीं। करण जौहर ने पोस्ट करते हुए कहा कि पहले के समय से अब फिल्मों में काफी बदलाव देखने मिल जाते हैं। हर कोई एक ही तरह के ट्रेंड को अपनाता जा रहा है। करण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म किल का प्रमोशन कर रहे हैं। यह फिल्म 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म किल से पहले करण जौहर के प्रोडक्शन की मिस्टर एंड मिसेज माही रिलीज होगी। इसमें राजकुमार राव और जान्हवी कपूर एक बार फिर धमाल मचाते दिखाई देंगे। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा करण कई और फिल्में भी पाइप लाइन में हैं।

शाहरुख के साथ मैच देखना पसंद नहीं करतीं जूही चावला

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं जूही-शाहरुख

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान और जूही चावला की जोड़ी को पर्दे पर दर्शकों के बीच हमेशा ही बहुत प्यार मिला है। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। वहीं, पर्दे के अलावा शाहरुख खान और जूही चावला आईपीएल टीम केकेआर के भी मालिक हैं। दोनों को अक्सर मैदान में अपनी टीम का उत्साह बढ़ाते हुए देखा जाता है। इसी बीच अब जूही ने खुलासा किया है कि वह शाहरुख के साथ मैच देखना बिल्कुल पसंद नहीं करतीं, क्योंकि वह टीम का सारा गुस्सा उस पर निकाल देता है।

जूही ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा, शाहरुख के साथ मैच देखना सही नहीं होता, क्योंकि अगर हमारी टीम अच्छा नहीं खेलती तो वो सारा गुस्सा मुझ पर उतार देते हैं। मैं उनसे कहती भी हूं कि ये सब बातें टीम से बोला करो। इसीलिए हम साथ मैच देखने के लिए अच्छे पार्टनर नहीं हैं। मुझे लगता है कि जब टीम खेलती है तो सभी के पसीने छूट जाते हैं।

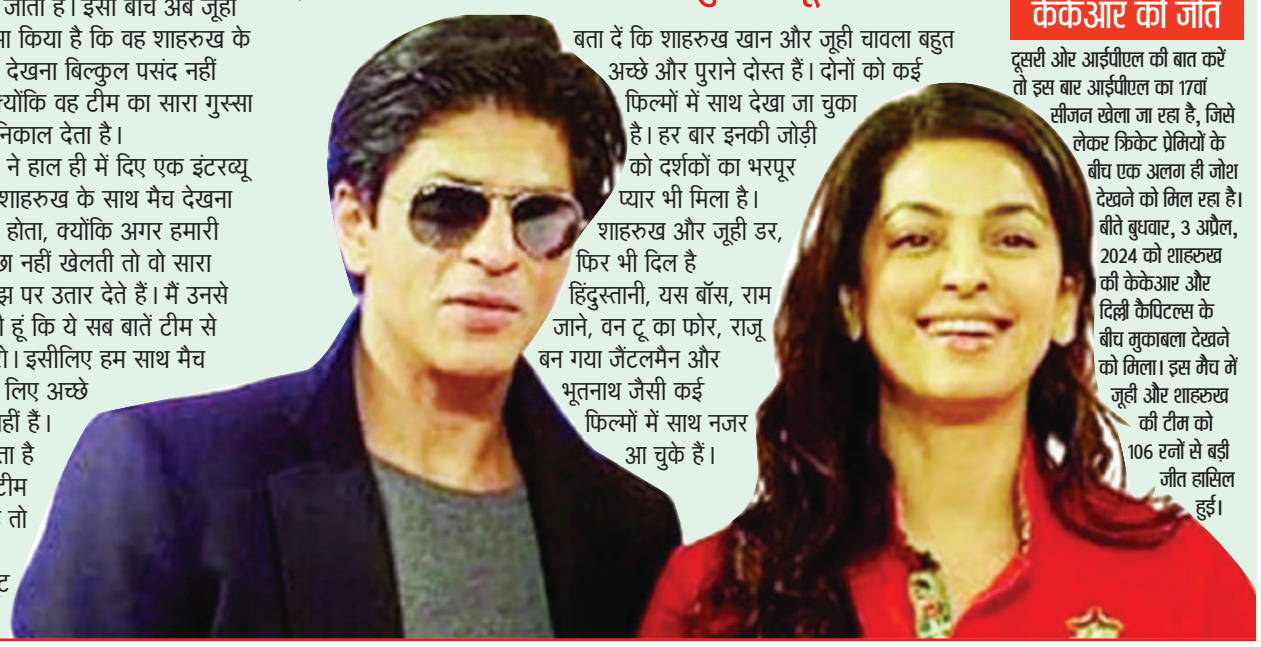

बता दें कि शाहरुख खान और जूही चावला बहुत अच्छे और पुराने दोस्त हैं। दोनों को कई फिल्मों में साथ देखा जा चुका है। हर बार इनकी जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार भी मिला है। शाहरुख और जूही डर, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, यस बॉस, राम जाने, वन टू का फोर, राजू बन गया जैंटलमैन और भूतनाथ जैसी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं।

बीते बुधवार को मिली केकेआर को जीत

दूसरी ओर आईपीएल की बात करें तो इस बार आईपीएल का 17वां सीजन खेला जा रहा है, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों के बीच एक अलग ही जोश देखने को मिल रहा है। बीते बुधवार, 3 अप्रैल, 2024 को शाहरुख की केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला देखने को मिला। इस मैच में जूही और शाहरुख की टीम को 106 रनों से बड़ी जीत हासिल हुई।

रंजीत के साथ काम करने में डरती थीं माधुरी दीक्षित

धकधक गर्ल कही जाने वाली एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित सालों से इंडस्ट्री पर राज कर रही हैं। बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस में माधुरी दीक्षित की गिनती होती है। एक समय था जब फिल्मों में उनके नाम का डंका बजता था। पर क्या होगा अगर हम आपको बताएं कि माधुरी दीक्षित ने इस दिग्गज अभिनेता के साथ सीन शूट करने से मना कर दिया था और रोने लगीं थीं। माधुरी दीक्षित ने यूं तो बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ काम किया है। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसा भी कलाकार था जिसके नाम सुनते ही एक्ट्रेस कांप उठी थीं।

माधुरी ने उस एक्टर के साथ काम करने से इतना घबरा गईं थीं कि बीच शूटिंग में ही एक्ट्रेस फूटफूट कर रोने लगी थीं। माधुरी ने उस एक्टर के साथ काम करने से साफ मना कर दिया था। ये किस्सा साल 1989 में आई फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' की शूटिंग के दौरान का है, जिसमें माधुरी के अपोजिट मिथुन चक्रवर्ती नजर आए थे। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने लक्ष्मी नाम की एक गरीब लड़की का रोल प्ले किया था, जिसमें उन्हें बॉलीवुड के खलनायक रंजीत के साथ एक सीन शूट करना था। जब ये बात माधुरी को पता चली तो वो बेहद घबरा गईं। उन्होंने फिल्म के मेकर्स को इस सीन के लिए साफ मना कर दिया और मेकअप रूम में जाकर रोने लगी थीं। बता दें कि इस बात का खुलासा खुद रंजीत ने किया है।

शूट के बाद ऐसा था माधुरी का रिएक्शन

रंजीत आगे कहते हैं कि जब सीन खत्म हुआ तो कोई मेरे पास नहीं आया है। बल्कि सभी माधुरी के पास गए और उनसे पूछा कि वो ठीक तो हैं। इस सभी से माधुरी ने कहा कि मुझे पता तक नहीं चला कि रंजीत ने मुझे छुआ है। ये मेरे लिए बड़ी बात थी। मैं हर महिला की इज्जत करता हूं।

अजब-गजब | इस देश में है अजीबो-गरीब कानून

जाति-धर्म कोई भी हो यहां आपको रखना होगा एक ही सरनेम

दुनिया में कई विचित्र कानून हैं। कहीं पत्नी का जन्मदिन भूलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है, तो कहीं पक्षियों को दाना खिलाना अपराध है। कहीं चेहरे को ढंकना अवैध है, तो कहीं ऊंची एड़ी के जूते पहनना मना। लेकिन एक देश में ऐसा कानून है कि चाहें जाति धर्म कोई भी हो, आपको एक ही सरनेम रखना होगा। बाकायदा कानून में इसका प्रावधान किया गया है। अगर आप नहीं करते हैं तो सजा भुगतनी पड़ सकती है। उस देश का नाम जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

जी हां, यह देश जापान है। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा अजीबोगरीब कानून क्यों बनाया गया? तो बता दें कि ये कोई आज का कानून नहीं है। यह कानून 1898 में बनाया गया था, और 2015 में जापान के सर्वोच्च न्यायालय में इसे बरकरार रखा था। एक्सपर्ट के मुताबिक, यह कानून जापान के 'मीजी' युग का है। जब सामंती परिवार प्रणाली थी। परिवार लंबे-लंबे होते थे। महिलाओं और बच्चों को परिवार के पुरुष मुखिया के अधीन रखा जाता था। लेकिन आज के वक्त में सुप्रीम कोर्ट ने क्यों बरकरार रखा, इसकी वजह समझ में नहीं आती।

मेट्रो की रिपोर्ट के मुताबिक, जापान में 125,000,000 लोग हैं, और हर किसी का आखिरी नाम एक हो जाएगा, तो क्या हाल होगा। जापान में अभी 'सातो' सरनेम सबसे लोकप्रिय है। 1.5 फीसदी से ज्यादा आबादी इस सरनेम का उपयोग करती है। 2022 और 2023 के बीच इसमें लगभग 100 फीसदी की बढ़ोत्तरी हो गई है। लोग काफी तेजी से इसे स्वीकार कर रहे हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि अगर यही हाल रहा तो 2446 तक देश के आधे से अधिक लोगों के पास 'सातो' सरनेम होगा। अगर ये कानून नहीं बदला जाता तो 2531 तक पूरे देश हर किसी का सरनेम 'सातो' होगा।

तोहोकू विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हिरोशी योशिदा ने कहा, अगर हर कोई सातो बन जाता है, तो हमें हमारे पहले नाम या अंकों से संबोधित करना पड़ सकता है। मुझे नहीं लगता कि हम इसे रहने के लिए एक अच्छी दुनिया कह सकते हैं। इससे सरनेम से जुड़ी पारिवारिक और क्षेत्रीय विरासत को भी नुकसान होगा। जापान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां विवाहित जोड़ों को एक ही सरनेम रखना पड़ता है।

बिहार में है यह अजूबा पर्वत जो कौआ के बैठने पर डोलता है

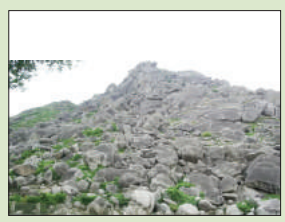

साधारण सा दिखने वाला यह पहाड़, अन्य पहाड़ों की तुलना में बिल्कुल अलग है। सीना ताने खड़ा बिहार के गया में स्थित यह पर्वत भारतीय इतिहास का एक अध्याय है। इस पहाड़ के पत्थर में बनाई गई देवी-देवताओं की मूर्तियां, जगह-जगह पहाड़ और मंदिरों के स्तंभ इसकी विरासत की गाथा बयां करती हैं। गया शहर से 30 किमी दूर बेलागंज में मौजूद कौवाडोल नाम से एक पर्वत है, जहां से ऐतिहासिक और धार्मिक सिद्धांत जुड़े हुए हैं। 1902 में इस पर्वत के पास ऐसी घटना घटी, जिससे इस पर्वत का नाम कौवा डोल पर्वत पड़ गया। कौवाडोल पहाड़ियों के मुख्य समूह से एक अलग पहाड़ी है। यह काफी दुर्गम है, क्योंकि यह पूरी तरह से एक-दूसरे के ऊपर ग्रेनाइट के विशाल ढेर से बनी है और एक ऊंचे ब्लॉक के साथ ताज पहनाया गया है, जो नीचे के मैदानों पर नियंत्रण रखता है। ऐसा कहा जाता है कि पहले इस शिखर के शीर्ष पर एक और खंड होता था, जो इतनी सूक्ष्मता से संतुलित था। जब कोई कौवा उस पर चढ़ता था, तब वह झूलता रहता था। इस अनोखे ब्लॉक के कारण ही इस पहाड़ी को कौवाडोल नाम मिला। कहा जाता है कि 1811 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने इस हिल का निरीक्षण किया था। ब्रिटिश वैज्ञानिक फ्रांसिसि बुकानन इस पर्वत पर थे। लेकिन 1902 में जब वैज्ञानिक मेजर किश्ती, ब्रिटिश इंजीनियर अलेक्जेंडर कनिंघम और अर्मेनियाई-भारतीय इंजीनियर जोसेफ डेविड बेगलर इस पर्वत पर स्थित थे, तो पर्वत के खोह से कौवों को झुंड लगा और वह चट्टान पर जा पहुंचे। जिस पत्थर पर कौआ बैठा, वो हिलने लगा। कई बार बैठने और उठने से पत्थर हिला, लेकिन गिरा नहीं। इसे देखकर लोग हैरान हो गए। किसी को भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा था कि कौवे के बैठने के स्थान से पहाड़ कैसे हिल गया और हिलने से चट्टान नीचे क्यों नहीं गिरा। वैज्ञानिक तरीकों से इस तस्वीर की जांच हुई, लेकिन इस पर कोई ठोस सबूत नहीं मिला। उसी समय ब्रिटिश इंजिनियर अलेक्जेंडर कनिंघम ने इस पहाड़ी का नाम कौवाडोल रख दिया और आज भी इस पहाड़ी को कौवाडोल हिल नाम से ही जानते है। पहाड़ी के उत्तरी भाग की चट्टानों पर अनेक आकृतियाँ गढ़ी गई हैं। इनमें से एक लिंगम के बगल में गणेश की एक आकृति है। उनमें से कई गौरी शंकर का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन इन मूर्तियों में सबसे आम महिषासुर मर्दिनी दुर्गा की पसंदीदा मूर्ति है। यहां बुद्ध की आकृतियां भी हैं।

इस बार लोकतंत्र एवं संविधान बचाने का चुनाव है: राहुल गांधी

» चुनाव जीतने के बाद होगा प्रधानमंत्री पद पर फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी होने के कहा कि यह देश, लोकतंत्र एवं संविधान बचाने का चुनाव है तथा विपक्षी गठबंधन इंडिया की तरफ से प्रधानमंत्री कौन होगा, इस बारे में घटक दल चुनाव में जीत के बाद मिलकर फैसला करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास करने वालों और संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा करने का प्रयास करने वालों के बीच है।

राहुल गांधी ने कहा, यह चुनाव बुनियादी रूप से अलग है। मुझे नहीं लगता कि संविधान और लोकतंत्र को इतना खतरा पहले कभी था, जितना आज है। उन्होंने दावा किया, एक तरफ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं, संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करने के लिए है... यह देश, संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यह समझना होगा कि हिंदुस्तान के राजनीतिक ढांचे में क्या हो रहा है। आरएसएस, भाजपा और खासकर नरेन्द्र मोदी जी ने क्या बुनियाद बनाई है, सबसे पहले यह समझना होगा। उन्होंने दावा किया कि यह एकाधिकार सीबीआई और ईडी जैसी तमाम संस्थाओं पर कब्जा करके कायम किया गया है। राहुल गांधी के अनुसार, यह सारी जानकारी चुनावी बॉण्ड के जरिए सामने आ गई है।

मोदी ने पूरे विपक्ष को चुनावी बॉण्ड के जरिए चार्जशीट पकड़ा दी

उन्होंने दावा किया, नरेन्द्र मोदी ने पूरे विपक्ष को चुनावी बॉण्ड के जरिए एक चार्जशीट पकड़ा दी है। इसलिए नरेन्द्र मोदी को थोड़ा डर लग रहा है। ऐसे में वह 400 पार की बात कर रहे है। उन्हे लग रहा है कि कहीं 180 या 160 हुआ तो नैया डूब जाएगी। विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद के चेहरे के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) में फैसला किया गया है कि हम विचारधारा के आधार पर एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे है। चुनाव के बाद सभी मिलकर फैसला करेंगे कि प्रधानमंत्री कौन होगा।

चुनाव के नतीजे 2004 की तरह होंगे

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस बार भी चुनाव के नतीजे 2004 की तरह होंगे। राहुल गांधी ने कहा, कृपया एक बात याद रखेंउ जब वाजपेई जी प्रधानमंत्री थे, तब प्रेस द्वारा ऐसी ही भावना पैदा की गई थी जैसी आज है। उस समय इंडिया शाइनिंग (भारत उदय) अभियान था... लेकिन याद रखें कि इंडिया शाइनिंग अभियान का क्या हुआ और यह भी याद रखें कि वह अभियान किसने जीता था।

असम माकपा ने भाजपा पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाया

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की असम इकाई ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने के बहाने राज्य सरकार की योजना के लाभार्थियों का आंकड़ा एकत्र करके आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सर्वेक्षण के नाम पर राज्य भर में भाजपा द्वारा जो फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की तस्वीरें हैं, और लोगों को योजनाओं में शामिल करने का आश्वासन दिया गया है, जो सरकार का नीतिगत मामला है।

इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में माकपा के प्रदेश सचिव सुप्रकाश तालुकदार ने आग्रह किया है कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सत्ता में मौजूद पार्टी अपने पद का दुरुपयोग न करें। वाम दल ने कहा कि भाजपा सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के नाम पर विभिन्न संसदीय क्षेत्रों में आवेदन पत्र वितरित कर रही है। भाजपा ने ओरुनोदोई योजना का विस्तार करने और राशन कार्ड रखने वाले प्रत्एक परिवार के आवेदकों के नाम अपनी लाभार्थी सूची में शामिल करने का वादा किया है।

राजद ने वातावरण दूषित किया: बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी होने के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी लगातार लालू प्रसाद की पार्टी राजद पर हमला बोल रही है। भाजपा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस और राजद ने बिहार को पीछे धकेलने का काम किया। लालू प्रसाद पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू राज में जमीन लेने के बाद नौजवानों को रोजगार दिया जाता था। जपा ने आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि राजद ने वातावरण दूषित कर दिया था।

» लालू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर सियासत

पीएम मोदी जी के बिहार आने से वातावरण साफ हो गया है। अब एकतरफा लड़ाई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा चालीस के चालीस सीट पर जीतने जा रही है। जनता ने महागठबंधन की सारी करतूत को देख रही है। लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मध्य प्रदेश की एमपीएमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। मामला हथियारों की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़ा है और करीब 26 साल से लंबित है। ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस संबंध में लालू के खिलाफ यह वारंट जारी किया है। ग्वालियर की अदालत ने लालू प्रसाद यादव को इस मामले में 1998 में फरार घोषित किया था। यूपी की फर्म के संचालक राजकुमार शर्मा पर आरोप है कि उसने ग्वालियर की हथियारों की तीन कंपनियों से फर्जीवा?ा कर 1995 से 1997 के बीच हथियार और कारतूस खरीदे थे। शर्मा ने हथियार और कारतूस बिहार में बेच दिए थे। जिन लोगों को यह हथियार बेचे गए, उनमें लालू प्रसाद यादव का नाम भी है। ये मामला 23 अगस्त 1995 से 15 मई 1997 के बीच का है। इस मामले में कुल 22 आरोपी हैं। छह के खिलाफ सुनवाई चल रही है। दो की मौत हो चुकी है।

भाजपा को कांग्रेस से उधार लेने पड़ रहे हैं उम्मीदवार: चौटाला

» बोले- बीजेपी ने लोगों को बरगलाने का काम किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। देश एवं प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की अलोचना करते हुए इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि 400 सीट जीतने का नारा देने वाली पार्टी को कांग्रेस से उम्मीदवार उधार लेने पड़ रहे हैं।

चौटाला ने कहा, एक ओर भाजपा 400 पार का नारा दे रही है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं पर भरोसा नहीं रह गया है और यही कारण है कि पार्टी को हरियाणा में कांग्रेस से उम्मीदवार उधार में लेने पड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी पर देश एवं प्रदेश में किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

सोनीपत में इनेलो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा देश एवं प्रदेश में युवाओं को नौकरी, रोजगार देने में पूरी तरह नाकाम रही है, और किसानों की आय दोगुनी करने, काला धन वापस लाने, 15 लाख रूपए प्रत्एक व्यक्ति के खाते में डालने जैसे नारे झूठे साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी वायदे पर खरी नहीं उतरी है, बल्कि लोगों को बरगलाने का काम किया है।

लंबी चर्चा के बाद घोषित किया प्रत्याशी: राउत

» कांग्रेस से कोल्हापुर सीट की अदला-बदली करने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी ने उच्च स्तर पर सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा के बाद लोकसभा चुनाव के लिए सांगली से पहलवान चंद्रहार पाटिल को प्रत्याशी बनाने का फैसला किया है। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी के सहयोगी दल कांग्रेस ने भी इस सीट पर दावा जताया था और वह इस सीट से विशाल पाटिल को टिकट देना चाहती थी।

राउत ने बताया कि महा विकास आघाडी का हिस्सा कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार नीत गुट ने सीट बंटवारे की चर्चा में भाग लिया और एक या दो सीटों पर ऐसे मतभेद आना

तय है। शिवसेना (यूबीटी) कोल्हापुर सीट पर उसका सांसद होने के बावजूद यह सीट कांग्रेस को देने पर राजी हो गई। उन्होंने कहा, हमने रामटेक और अमरावती सीट भी कांग्रेस को दे दी। जहां तक सांगली का संबंध है तो पश्चिम महाराष्ट्र से हमारे कार्यकर्ता इस सीट पर लड़ना चाहते हैं। इसलिए हमने कांग्रेस से कोल्हापुर सीट की अदला-बदली करने का फैसला किया। राउत ने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ता की जो भी भावनाएं होंगी वह कुछ दिनों में शांत हो जाएगी।

सांगली कांग्रेस का गढ़ : कदम

एमवीए के गठन के दौरान विश्वजीत कदम की भूमिका अहम थी। कल की राजनीति में विशाल पाटिल को भी अहम भूमिका मिलेगी और शिवसेना उसकी पहल करेगी। हमने इस संबंध में दिल्ली कांग्रेस को एक प्रस्ताव भेज दिया है। इस बीच, कदम ने कहा कि कांग्रेस और एमवीए के अन्य घटक दलों के नेताओं को सांगली सीट मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। सांगली कांग्रेस का गढ़ है। मेरा मानना है कि कांग्रेस को ही सांगली से चुनाव लड़ना चाहिए। मैं उद्धव ठाकरे से सांगली को लेकर कांग्रेस से बातचीत करने और इस मुद्दे को हल करने का अनुरोध करता हूं। कदम ने कहा कि उन्होंने सांगली सीट मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक पत्र लिखा है।

सनराइजर्स के सामने फीके पड़े सुपरकिंग्स

अभिषेक की आतिशी पारी, हैदराबाद ने चेन्नई को 6 रन से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2024 का 18वां मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में हैदराबाद ने चेन्नई को 6 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने पांच विकेट के नुकसान पर 165 रन ही बनाए जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए एसआरएच ने 18.1 ओवर में चार विकेट खोकर ही दूसरी जीत अपने नाम की।

इस दौरान एसआरएच के तेज गेंदबाजों ने और अभिषेक शर्मा का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। दरअसल, हैदराबाद के लिए एडेन मार्करम के अर्धशतक और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 12 गेंद में 37 रन की विस्फोटक पारी रही। मार्करम ने ट्रेविस हेड (24 गेंद में 31 रन) के साथ दूसरे विकेट लिए 42 गेंद में 60 रन की साझेदारी की। इससे पहले हेड और अभिषेक ने महज 17 गेंद में 46 रन की साझेदारी कर टीम को बेहद तेज शुरुआत दिलायी।

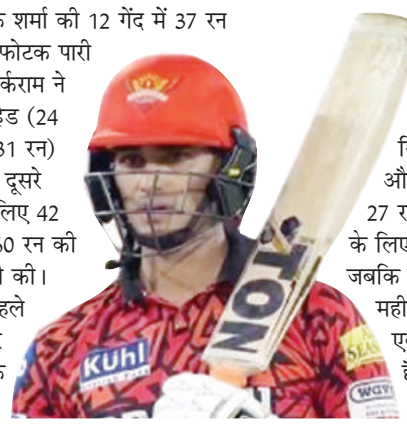

मैन ऑफ द मैच अभिषेक ने इस दौरान दूसरे ओवर में मुकेश चौधरी के खिलाफ तीन छक्के और दो चौके लगाकर 27 रन बटोरे। सीएसके के लिए मोईन अली ने दो जबकि दीपक चाहर और महीश तीक्षणा ने एक-एक विकेट लिये। हैदराबाद के लिए टी नटराजन, भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस, शाहबाज अहमद और जयदेव उनादकट ने एक-एक विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करते हुए चाहर की दूसरी गेंद पर ही स्लिप में मोईन ने हेड का आसान कैच टपका दिया। इस बल्लेबाज ने ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर इसका जश्न मनाया। सत्र का पहला मैच खेल रहे मुकेश के खिलाफ अभिषेक ने 27 रन बटोर को चेन्नई को बैकफुट पर धकेल दिया। उन्होंने इसके बाद चाहर के खिलाफ भी छक्का और चौका जड़ा लेकिन एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में जडेजा को कैच थमा बैठे।

संदेशखाली के दोषियों को पुलिस ने तुरंत दबोचा : ममता बनर्जी

» सीएम ने महिलाओं पर अत्याचार संबंधी टिप्पणी के लिए मोदी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और भ्रष्टाचार के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और उनकी सरकार ने संदेशखाली में महिलाओं के कथित यौन शोषण में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।

उन्होंने सवाल किया कि धन के उपयोग की निगरानी के लिए केंद्र द्वारा 100 से अधिक केंद्रीय टीम भेजे जाने के बावजूद केंद्रीय धन क्यों रोक दिया गया। उन्होंने कहा, कल, उन्होंने (प्रधानमंत्री) कहा कि उनकी लड़ाई संदेशखालि में अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ है। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि संदेशखालि सिंगूर या नंदीग्राम नहीं है। स्थानीय स्तर पर कुछ घटनाएं हुईं। मामले में पहले ही गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। हमारी पुलिस ने दोषियों को गिरफ्तार किया। हमने लोगों को जमीन लौटा दी है क्योंकि हम किसी के खिलाफ अन्याय नहीं होने देते। मुख्यमंत्री ने कहा, जब भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप लगा है, हमने कार्रवाई की और उस व्यक्ति को पार्टी से निकाल दिया।

कितनी बार हाथरस गए प्रधानमंत्री मोदी

उन्होंने कहा, क्या भाजपा या नरेन्द्र मोदी जवाब दे सकते हैं कि वह कितनी बार हाथरस गए, जहां दलित समुदाय की बलात्कार पीड़िता का उसके माता-पिता की सहमति के बिना रात के अंधेरे में अंतिम संस्कार कर दिया गया था? क्या वह तब सो रहे थे? वे बिलकिस बानो को न्याय दिलाने में विफल रहे। तृणमूल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के लिए प्रधानमंत्री की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा, फिलहाल भ्रष्टाचार के बारे में कोई शिकायत नहीं है। फिर भी, मनरेगा के लिए धन जारी नहीं किया गया। बनर्जी ने कहा कि भाजपा को बंगाल सरकार को उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है।

कांग्रेस ने उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की

» गोवा, मप्र और दादर की 6 सीटों पर प्रत्याशी घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में गोवा, मध्यप्रदेश और दादर की 6 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है, मध्यप्रदेश की ग्वालियर सीट से प्रवीण पाठक और मुरैना से सत्यपाल सिंह सिकरवार को टिकट दिया गया है। यह कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारों की 14वीं लिस्ट है। इससे पहले कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए गुरुवार (चार अप्रैल, 2024) को उम्मीदवारों की 13वीं सूची जारी की थी। इस लिस्ट में तीन प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए थे और ये तीनों कैंडिडेट्स गुजरात के लोकसभा क्षेत्रों (सुरेंद्रनगर, जूनागढ़ और वडोदरा) से उतारे गए थे।

पार्टी ने सुरेंद्रनगर से रित्विक भाई मकवाना, जूनागढ़ से हीरा भाई जोटवा और वडोदरा से जसपाल सिंह पढियार को टिकट दिया है। कांग्रेस अब तक अपने 14 लिस्ट में कुल 241 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। पार्टी ने 14वीं लिस्ट आने से पहले तक 13 अलग-अलग सूचियों में 235 उम्मीदवार घोषित किए थे, शुक्रवार को 6 और प्रत्याशियों के नाम सामने आने के बाद यह संख्या 241 हो गई है। देश में 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। आगे छह और चरणों में 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को मतदान होगा और चार जून, 2024 को मतगणना होगी। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार (5 अप्रैल 2024) को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया था। इसे न्याय पत्र नाम दिया गया है। ये मेनिफेस्टो 5 'न्याय' और 25 'गारंटी' पर आधारित है।

मप्र में जवानों की बस पलटी, तीन की मौत, 21 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के केवलारी थाना क्षेत्र के लोपा गांव के पास 35वीं बटालियन के एसएफ जवानों को ले जा रही बस एक कार से टकराने के बाद पलट गई, जिसमें 3 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 21 घायल हो गए।

बस मंडला जिले में सीएम ड्यूटी के लिए पुलिस जवानों को लेकर जा रही थी। बताया गया कि कार से टक्कर होने के बाद बस पलट गई, जिसमें तीन जवानों की मौत हो गई, जबकि कार सवार दो लोगों समेत जवान घायल हो गए। दुर्घटना सिवनी के केवलारी थाना अंतर्गत धानागाड़ा में शुक्रवार-शनिवार देर रात हुई।

एनआईए टीम पर हमला, कई अधिकारी घायल

» पश्चिमी मेदिनीपुर में हुई घटना गाड़ी को बुरी तरह से तोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल के पश्चिम मिदनापुर में भूपतिनगर विस्फोट की जांच करने गए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के दो अधिकारी घायल हो गए, क्योंकि जांच टीम को अज्ञात बदमाशों ने निशाना बनाया। एनआईए की टीम सीएपीएफ के साथ भूपतिनगर ब्लास्ट के संबंध में शुक्रवार रात एक व्यक्ति को पकड़ने गई थी। उन पर अज्ञात बदमाशों ने हमला किया और पथराव किया।

बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले में शनिवार सुबह छापेमारी के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम पर हमला किया गया। भूपतिनगर इलाके में हुए इस हमले में आतंक रोधी एजेंसी का एक अधिकारी घायल हो गया है। एक सूत्र ने बताया कि एनआईए की एक टीम भूपतिनगर में हुए एक विस्फोट के सिलसिले में छापेमारी करने पहुंची थी। तलाशी अभियान के दौरान भीड़ ने अचानक टीम पर हमला कर दिया, जिससे एक वाहन का शीशा टूट गया। एक वीडियो में दिखाया गया है कि कई पुरुष और महिलाएं पुलिस वाहन को रोक रहे हैं और पुलिस पर चिल्ला रहे हैं और उन्हें वापस जाने के लिए कह रहे हैं। महिलाएं हाथों में बांस के डंडे लेकर सुरक्षाकर्मियों के सामने सड़क पर बैठी नजर आईं। एनआईए के एक सूत्र ने बताया कि स्थानीय पुलिस स्टेशन को छापेमारी के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया था, फिर भी उचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी? हालांकि, पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एनआईए की टीम सुबह 5.30 बजे भूपतिनगर गई - अपेक्षा से काफी पहले - और फिर अतिरिक्त सुरक्षा बल को बुलाया। एनआईए द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन में मनबेंद्र जाना और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। आतंक निरोधी एजेंसी ब्लास्ट मामले में जना को गिरफ्तार करने के लिए भूपतिनगर गई थी। भूपतिनगर विस्फोट दिसंबर 2022 में भूपतिनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नारीबिला गांव में एक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता के घर पर हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। एनआईए ने जून 2023 में मामले की जांच शुरू की।

आधी रात को छापा क्यों मारा: ममता बनर्जी

कोलकाता। जांच एजेंसी के अधिकारियों पर हमले पर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि एनआईए की टीम ने भूपतिनगर में महिलाओं पर हमला किया था, न कि उसपर हमला हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर इलाके में एनआईए टीम पर हुए हमले पर कहा,ये लोग स्थानीय पुलिस को सूचित किए बिना आधी रात को क्यों जाते हैं? उन्हें बता कर जाना चाहिए था। ये लोग बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं। वे चुनाव से पहले हमारे बूथ एजेंट को गिरफ्तार करना चाहते हैं।

बेंगलुरु: 47 छात्राएं बीमार हैजा होने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएमसीआरआई) के 47 छात्राओं को दस्त और निर्जलीकरण की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएमसीआरआई के निदेशक रमेश कृष्णा के मुताबिक, संस्थान के महिला छात्रावास की 47 छात्राओं को शुक्रवार को विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया.

उन्होंने बताया कि इनमें से 28 ट्रॉमा केयर सेंटर में, 13 एच खंड में और तीन गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी दस्त और निर्जलीकरण से पीड़ित थी। विक्टोरिया अस्पताल के एक चिकित्सक ने कहा, सभी छात्रों की हालत अब स्थिर है, हैजा होने का संदेह है, हम स्पष्टता के लिए रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, रिपोर्ट जल्द ही आने की उम्मीद है। कर्नाटक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने शुक्रवार को कहा था कि इस साल अब तक राज्य में हैजा के छह मामले सामने आए हैं, जिनमें से पांच मार्च के महीने में सामने आए थे। इन खबरों के बीच कि भीषण गर्मी के साथ-साथ जल संकट के कारण हैजा फैलने का डर पैदा हो गया है, विभाग ने स्पष्ट किया कि ये सभी मामले छिटपुट हैं।

मुख्तार के घर जाने के बाद से मिल रहीं धमकियां: ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एआईएमआईएम पार्टी के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में एक जनसभा के दौरान दावा किया कि जब से वह उत्तर प्रदेश में मुख्तार अंसारी के घर होकर आए हैं, तब से ही उन्हें सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

ओवैसी ने कहा कि मैं जुनैद के घर भी गया था और अखलाक के घर भी गया था। जो लोग मुझे धमकियां दे रहे हैं, उन्हें ये बात याद रखनी चाहिए कि मैं तभी मरूंगा, जब मेरा वक्त आएगा। मैं डरने वाला नहीं हूं। इसे लेकर ओवैसी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी साझा किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं उन शैतानी ताकतों से कह रहा हूं कि एक बात याद रखो, मैं कोई मुर्गी का बच्चा नहीं हूं, मैं इतनी आसानी से जाने वाला नहीं हूं। पीठ नहीं दिखाऊंगा, तुम क्या तुम्हारा बाप भी आए तो मैं मुकाबला करूंगा। बाहुबली नेता और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की बीते दिनों बांदा जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। मुख्तार अंसारी की मौत पर बीते रविवार को असदुद्दीन ओवैसी गाजीपुर में मोहम्मदाबाद स्थित मुख्तार अंसारी के घर पहुंचे थे। इस दौरान ओवैसी ने मुख्तार अंसारी के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

बोले- मैं मुर्गी का बच्चा नहीं

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।